एलाइंस एअर
ALLIANCE AIR
Connecting India

‘‘आवाहन’’(उन्मुक्त उड़ान का)

मार्च, 2026
राजभाषा विभाग

रीवा–रायपुर उद्घाटन

सर्वश्रेष्ठ पीएसयू पुरस्कार

महिला दिवस का आयोजन

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

हिंदी कार्यशाला

होली का आयोजन

मुख्य कार्यपालक अधिकारी की कलम से

नमस्कार,

प्रिय साथियों, आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आज हम सभी यहां पर देश के 77वें गणतंत्र दिवस को मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। आज ही के दिन यानि 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान लागू हुआ था जिसे बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा बनाया गया।

गणतंत्र दिवस हम सभी भारतीयों के अंदर हर्ष, उल्लास और नई सोच का संचार करता है। गणतंत्र दिवस हमारे राष्ट्र के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, यह दिन भारत के समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य का प्रतीक है ।

हमें गर्व है कि हम लोकतांत्रिक देश के नागरिक हैं और हमें ऐसे संविधान का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जो सबसे अलग है और सभी भारतीय नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करता है। हमारी यह नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपने देश के तंत्र और संविधान की महत्वता को समझें और उसकी रक्षा एवं सम्मान करें।

वर्तमान में एलाइंस एअर भारत सरकार के अधीन स्वतंत्र एयरलाइन के रूप में सफलतापूर्वक कार्य कर रही है जो क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत आती है और देश के अछूते क्षेत्रों को अपनी उड़ानों के माध्यम से 54 गंतव्यों को जोड़ने का कार्य कर रही है।

इस राष्ट्रीय पर्व पर मैं, आप सभी को धन्यवाद देता हूं कि सभी के सहयोग से एलाइंस एअर निरंतर अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफल हो रही है।

प्रबंधन को पूर्ण विश्वास है कि आने वाले भविष्य में आप सभी इसी प्रकार उत्सुकता एवं जिज्ञासापूर्वक कंपनी में अपना अमूल्य सहयोग देते रहेंगे एवं अथक प्रयासों से उन्मुक्त शिखर की दिशा में अग्रसर होते रहेंगे।

आप सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की पुनः हार्दिक शुभकामनाएं।

धन्यवाद

जय हिंद, जय भारत। वंदे मातरम

(राजर्षि सेन)
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी की कलम से

नमस्कार,

आदरणीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय एवं उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

26 जनवरी का दिन भारत के इतिहास का स्वर्णिम दिन है। भारत के लिए गणतंत्र दिवस एक पर्व ही नहीं बल्कि गौरव एवं सम्मान का दिन है। गणतंत्र दिवस हम सभी भारतीयों के अंदर उल्लास, हर्ष और नई सोच का संचार करता है।

आज हम सब यहां पर इस विशेष पर्व को मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं, जो हमें मजबूत राष्ट्र की याद दिलाता है। भारत एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है। यह दिन हमें सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ने के लिए साहस, एकजुटता और प्रेरणा की मिसाल देता है। हम गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर पूर्ण उत्साह, उमंग और जोश के साथ राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा का प्रण लेते हैं।

एलाइंस एअर एक विमानन कंपनी है और हमारा हमेशा यह प्रयास रहता है कि आप सभी के लिए विकास के अवसर उपलब्ध कराएं जाएं। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि विमानन क्षेत्र में रोज नई चुनौतियां सामने आती रहती है जिसका समाधान निकालने के लिए हम सभी को हमेशा तत्पर रहना है एलाइंस एअर ने हमेशा अपने क्षेत्रीय सम्पर्कों को बढ़ाने का भरसक प्रयास किया है हमारे प्रयास सार्थक और सफल भी हो रहे हैं। कम्पनी में नए हवाई सम्पर्क और नवीन मानव शक्ति के बीच अभूतपूर्ण सामंजस्य हो रहा है। आशा है आप सभी का सहयोग बना रहेगा।

अंत में आप सभी को गणतंत्र दिवस की पुनः हार्दिक शुभकामनाएं।

धन्यवाद

जय हिंद,   जय भारत!

(विमल किशोर त्रिपाठी)
कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी

रीवा–रायपुर उद्घाटन

एसएटीटीई–2026 का आयोजन

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और पर्यटन में योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ पीएसयू पुरस्कार

एलाइंस एअर ने 26 मार्च, 2026 को नई दिल्ली के ली मेरीडेन में आयोजित दूसरे आईसीसी कॉन्फ्रेंस 2026 में गर्व के साथ हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में एविएशन और टूरिज्म क्षेत्र के प्रमुख लीडर्स एक साथ आए और भारत में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी तथा पर्यटन के विकास के भविष्य पर चर्चा की।

हमें यह बताते हुए बेहद प्रसन्नता हो रही है कि एलाइंस एअर को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और पर्यटन में योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ पीएसयू के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सपने

सपने बड़े निराले हैं जी
सपने बड़े निराले हैं....
जीवन उच्च बनाते हैं
मन को .. बहुत हर्षाते हैं...
जो मन सपनों से खाली है
वो जीवन बहु व्यथा ली है ....
जिस मन के जितने दृढ़ सपने
उतने कर्म सुहाते हैं
हर कर सब बाधाओं को
जीवन उच्च बनाते हैं.....
बिन सपनों के जग में
कोई न ऊंचा बन पाए
जैसे बिन पंखों के नभ में
कोई न ऊंचा उड़ जाए
पंख ..हमारे सपने हैं
संघर्ष ..हमारे अपने हैं .....
छोटे सपने , मोटे सपने
सब धीरज की मांग करें
धीरे धीरे बढ़ते जाएं
एक दिन सब साकार करें.....
एक दिन सब साकार करें.....
एक दिन सब साकार करें.....

(दिलीप गर्ग)
स्टेशन प्रबंधक, दीव
एलाइंस एअर

कर्म करो फल की चिंता मत करो

एक बार बादलों की हड़ताल हो गई। बादलों ने कहा अगले दस सालों तक हम पानी नहीं बरसाऐंगे। यह बात जब किसानों ने सुनी तो उन्होंने अपने हल आदि पैक कर के रख दिए। लेकिन एक किसान अपने नियमानुसार हल चला रहा था। कुछ बादल थोड़ा नीचे से गुजरे और किसान से बोले, क्यों भाई पानी तो हम बरसाएंगे नहीं, फिर तुम हल क्यों चला रहे हो? किसान बोला कोई बात नहीं, जब बरसेगें तब बरसेगें। लेकिन मैं हल इसलिए चला रहा हूं कि मैं दस साल में कहीं हल चलाना ही ना भूल जाऊं। यह सुनकर अब बादल भी घबरा गए कि कहीं हम भी बरसना ना भूल जाए और वह तुरंत ही बरसने लगे और किसान की मेहनत रंग लाई और जिन्होंने सब पैक कर के रखा था वो लोग हाथ मलते ही रह गए। इसलिए कर्म करते रहो भले ही परिस्थितियां आपके अनुकूल हो या ना हो।

कहानी का सार – कामयाबी उन्हीं को मिलती है जो विपरीत परिस्थितियों में भी मेहनत करना नहीं छोड़ते हैं।

सुकरात और आईना

दार्शनिक सुकरात दिखने में कुरुप थे। वह एक दिन अकेले बैठे हुए आईना हाथ मे लिए अपना चेहरा देख रहे थे।
तभी उनका एक शिष्य कमरे मे आया। सुकरात को आईना देखते हुए देख उसे कुछ अजीब लगा। वह कुछ बोला नही, सिर्फ मुस्कराने लगा। विद्वान सुकरात शिष्य की मुस्कराहट देख कर सब समझ गए और कुछ देर बाद बोले, मैं तुम्हारे मुस्कराने का मतलब समझ रहा हूँ, शायद तुम सोच रहे हो कि मुझ जैसा कुरुप आदमी आईना क्यों देख रहा है?
शिष्य कुछ नहीं बोला, उसका सिर शर्म से झुक गया।
सुकरात ने फिर बोलना शुरु किया, "शायद तुम नहीं जानते कि मैं आईना क्यों देखता हूँ
नहीं। शिष्य बोला
गुरु जी ने कहा "मैं कुरूप हूं इसलिए रोजाना आईना देखता हूं"। आईना देख कर मुझे अपनी कुरुपता का भान हो जाता है। मैं अपने रूप को जानता हूं। इसलिए मैं हर रोज कोशिश करता हूं कि अच्छे काम करुं ताकि मेरी यह कुरुपता ढक जाए।
शिष्य को ये बहुत शिक्षाप्रद लगी। परंतु उसने एक शंका प्रकट की – "तब गुरू जी, इस तर्क के अनुसार सुंदर लोगों को तो आईना नही देखना चाहिए?
"ऐसी बात नही!" सुकरात समझाते हुए बोले," उन्हे भी आईना अवश्य देखना चाहिए"! इसलिए ताकि उन्हे ध्यान रहे कि वे जितने सुंदर दिखते हैं उतने ही सुंदर काम करें, कहीं बुरे काम उनकी सुंदरता को ढक ना ले और परिणामवश उन्हें कुरूप ना बना दे।
शिष्य को गुरु जी की बात का रहस्य मालूम हो गया। वह गुरु के आगे नतमस्तक हो गए।
प्रिय मित्रो, कहने का भाव यह है कि सुन्दरता मन व् भावों से दिखती है। शरीर की सुन्दरता तात्कालिक है जब कि मन और विचारों की सुन्दरता की सुगंध दूर–दूर तक फेल जाती है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) के तत्वाधान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिनिधित्व

दिनांक 09 जनवरी, 2026 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) दिल्ली, के तत्वाधान में इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइज़ेशन (आईटीपीओ) द्वारा राजभाषा सम्मेलन का आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया गया।

दिनांक 21 जनवरी, 2026 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) के तत्वाधान में तत्वाधान में डीएमआरसी द्वारा 16वीं बैठक का आयोजन दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन अकादमी, शास्त्री पार्क, नई दिल्ली में किया गया।

दिनांक 02 फरवरी, 2025 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) के तत्वाधान में नार्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (नीपको) द्वारा राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन स्कोप कॉम्पलैकस लोदी रोड़ नई दिल्ली में किया गया।

दिनांक 10 मार्च, 2026 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) के तत्वाधान में इलैक्ट्रिक कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि., द्वारा मसौदा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय जनसंचार संस्थान, जेएनयू न्यू कैम्पस नई दिल्ली में किया गया।

दिनांक 20 मार्च, 2026 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) के तत्वाधान में एनटीपीसी, नॉर्थ ईस्टर्न इलैक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लि., पावर ग्रिड, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन द्वारा संयुक्त रूप से राजभाषा उत्सव 2026–का आयोजन स्कोप ऑडिटोरियम, स्कोप कॉम्पलैक्स नई दिल्ली में किया गया।

दिनांक 23 मार्च, 2026 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) के तत्वाधान में हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको) द्वारा राजभाषा तकनीकी कार्यशाला एवं राजभाषा ओलंपियाड का आयोजन स्कोप ऑडिटोरियम, स्कोप कॉम्पलैक्स नई दिल्ली में किया गया।

आंवला

आंवला विटामिन सी एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर का बेहतरीन स्रोत है, जो इम्युनिटी बढ़ाने, पाचन सुधारने, बालों को मजबूत करने और त्वचा में निखार लाने के लिए बेहद फायदेमंद है। रोजाना आंवला खाने से कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है, जिससे यह दिल की सेहत और डायबिटीज के लिए एक कारगर प्राकृतिक उपाय है।

आंवला खाने के प्रमुख फायदे:

इम्युनिटी बूस्टर: इसमें संतरों से 20 गुना ज्यादा विटामिन C होता है, जो सर्दी–खांसी, संक्रमण और वायरल बीमारियों से बचाता है।

पाचन में सुधार: फाइबर से भरपूर होने के कारण, यह कब्ज, एसिडिटी और गैस जैसी समस्याओं में राहत देता है।

बालों और त्वचा के लिए रामबाण: यह बालों को मजबूत, काला और घना बनाता है। इसमें मौजूद कोलाजेन उत्पादन त्वचा को युवा और चमकदार बनाए रखता है।

दिल की सेहत: यह बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में सहायक है।

डायबिटीज कंट्रोल: आंवला ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है।

शरीर को डिटाक्स: यह शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे लीवर स्वस्थ रहता है।

आंखों की रोशनी: इसमें मौजूद कैरोटीन आंखों की रोशनी बढ़ाने और मोतियाबिंद के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

सेवन के तरीके:

आप आंवले का सेवन जूस, पाउडर, कच्चा, चटनी, अचार या मुरब्बे के रूप में कर सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छा तरीका इसे सुबह खाली पेट कच्चा या इसके रस के रूप में लेना है।

ईश्वर पर विश्वास

ऋषिकेश में गंगा जी के किनारे एक संत रहा करते थे। वह जन्मांध थे और उनका नित्य का एक नियम था कि वह शाम के समय ऊपर गगन चुंबी पहाड़ों में भ्रमण करने के लिए निकल जाते और हरी नाम का संकीर्तन करते जाते।

एक दिन उनके एक शिष्य ने उनसे पूछा बाबा आप हर रोज इतने ऊंचे–ऊंचे पहाड़ों पर भ्रमण हेतु जाते हैं। वहां बहुत गहरी–गहरी खाइयां भी हैं, और आपको आंखों से दिखाई भी नहीं देता। क्या आपको डर नहीं लगता ?

अगर कभी पांव लड़खड़ा गए तो ?

बाबा ने कुछ नहीं कहा और शाम के समय शिष्य को साथ ले चले। पहाड़ों के मध्य पहुंच कर बाबा ने शिष्य से कहा जैसे ही कोई गहरी खाई आए तो मुझे बताना। दोनों चलते रहे और जैसे ही गहरी खाई आयी शिष्य ने बताया कि बाबा गहरी खाई आ चुकी है।

बाबा ने कहा मुझे इसमें धक्का दे दो। यह सुनते ही शिष्य सकपका गया और हैरान होकर बाबा को देखने लगा। उसने कहा बाबा मैं आपको धक्का कैसे दे सकता हूँ। मैं ऐसा हरगिज नहीं कर सकता। आप तो मेरे गुरुदेव हैं मैं तो किसी अपने शत्रु को भी इस खाई में नहीं धकेल सकता। बाबा ने फिर कहा मैं कहता हूं कि मुझे इस खाई में धक्का दे दो। यह मेरी आज्ञा है और मेरी आज्ञा की अवहेलना करोगे तो नर्क गामी होंगे।

शिष्य ने कहा बाबा मैं नर्क भोग लूंगा मगर आपको हरगिज इस खाई में नहीं धकेल सकता।

तब बाबा ने शिष्य से कहा हे नादान बालक जब तुझ जैसा एक साधारण प्राणी मुझे खाई में नहीं धकेल सकता तो बता मेरा भगवान भला कैसे मुझे खाई में गिरने देगा। उसे तो सिर्फ गिरे हुए को उठाना आता है वह कभी भी किसी को गिरने नहीं देता।

वह पल पल हमारे साथ है बस हमें विश्वास रखना होगा उस पर।

(रचना पुण्डीर)
उप प्रबंधक, राजभाषा

हिंदी कार्यशाला

दिनांक 27 फरवरी, 2026 को एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग द्वारा मुख्यालय में कार्यरत हिंदी जानने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिंदी कार्यशाला में 13 अधिकारियों/कर्मचारियों जिनमें सर्वश्री सुश्री विभु, अधिकारी (उड़ान संरक्षा), श्री दीपक मेहरा, अधिकारी (उड़ान संरक्षा) श्री शिवशंकर पर्यवेक्षक, खान–पान (वाणिज्य), श्री विकास कुमार, अधिकारी (वाणिज्य), श्री तनुज कुमार, प्रबंधक (वाणिज्य), श्री सुमित राज, अधिकारी (वाणिज्य), श्री दिनेश यादव, वरि. पर्यवेक्षक (सामग्री प्रबंधन), श्री दिनेश कुमार, सहायक (सामग्री प्रबंधन), श्री स्मॉल कुमार, सहायक इंजीनियर (तकनीकी प्रशिक्षण), सुश्री शिल्पी मलिक, वरि. प्रबंधक (उड़ानगत सेवाएं) सुश्री रजनी चौहान, सहायक प्रबंधक (कार्मिक), सुश्री मोनिका शेखावत, पर्यवेक्षक (कार्मिक) श्री विक्रम कुमार, अधिकारी (एयरपोर्ट प्रचालन) ने भाग लिया।

कार्यशाला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा कार्यान्वयन के बारे में बताया गया। स्लाइड के माध्यम से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2025–26 में दिए गए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने व विभागों द्वारा भेजी जाने वाली प्रति तिमाही प्रगति रिपोर्ट के सभी कॉलम पूर्ण रूप से भरने के बारे में बताया गया।

कार्यशाला में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3), राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 से अवगत कराते हुए हिंदी के प्रचार–प्रसार को बढ़ावा देने व अपने रोजमर्रा के कार्यों में मानक मसौदें/अग्रेषण पत्रों का अधिकाधिक प्रयोग कर हिंदी पत्राचार में वृद्धि करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों को विभागों के नाम, पदनाम व रोजमर्रा उपयोग में आने वाले सरल और सहज शब्दों को अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने का अभ्यास कराया गया। साथ ही साथ सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी यूनिकोड की उपयोगिता व यूनिकोड में हिंदी टंकण का अभ्यास कराया गया जिससे सभी को हिन्दी टंकण में सुविधा हो सके। कार्यशाला में अधिकारियों/कर्मचारियों को राजभाषा के प्रति उनके दायित्वों और उनकी जिम्मेदारियों से भी अवगत कराया गया।

हिंदी कार्यशाला की सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सराहना की गई।

राजभाषा विभाग
एलाइंस एअर

एलाइंस एअर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

दिनांक 06 मार्च, 2026 को एलाइंस एअर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में सर्वश्री राजर्षि सेन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अमित मिश्रा, मुख्य वित्तीय अधिकारी, श्री पंकज जैन, इंजीनियरिंग प्रधान, श्री जयरामन मुथुकुमार, सूचना प्रौद्योगिकी प्रधान, श्री अश्विनी सचदेवा, एयरपोर्ट प्रचालन प्रधान, श्री राज सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी, सदस्य, श्री राजीव तिवारी, अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर, सुश्री शिल्पी मलिक, वरि. प्रबंधक, आईएफएस, श्री मुस्तकीन, वरि. प्रबंधक (तकनीकी प्रशिक्षण), सुश्री सीमा दुग्गल, प्रबंधक (कार्मिक) प्रतिनिधि सदस्य, श्री विनोद चन्द्र सनवाल, प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, सुश्री कमला मेहरा, उप प्रबंधक (राजभाषा), सुश्री रचना पुण्डीर, उप प्रबंधक (राजभाषा), विभागीय प्रतिनिधित्व ने भाग लिया।

सदस्य सचिव द्वारा बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को एलाइंस एअर में राजभाषा के क्षेत्र में हो रहे कार्यों और गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए लक्ष्यों के अनुपालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। अध्यक्ष महोदय ने कहा कि एलाइंस एअर में राजभाषा के क्षेत्र में अच्छा कार्यान्वयन हो रहा है और आशा व्यक्त की भविष्य में भी ऐसे ही राजभाषा कार्यान्वयन होता रहे।

अध्यक्ष महोदय ने बैठक में उपस्थित सभी विभागाध्यक्षों को फाइलों में हिन्दी टिप्पण को बढ़ावा दिए जाने को कहा जिससे वार्षिक कार्यक्रम में हिन्दी टिप्पण के लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सके। इस संबंध में मुख्य वित्तीय अधिकारी महोदय ने राजभाषा के अधिकाधिक प्रचार–प्रसार हेतु **आज का शब्द** एलाइंस एअर के रिसेप्शन एरिया व पंचिंग मशीन के पास नोटिस बोर्ड में दर्शाए जाने को कहा जिससे हिंदी के प्रति सभी का रूझान बने और वह प्रतिदिन एक नया शब्द सीखें और कार्यालय कार्य में प्रयोग में लाए जिससे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी का ज्ञान प्राप्त हो। जिसकी सभी ने प्रशंसा की। अध्यक्ष महोदय के निर्देशानुसार राजभाषा के प्रचार–प्रसार हेतु राजभाषा विभाग द्वारा नियमित रूप से **आज का शब्द** प्रदर्शित किया जा रहा है।

राजभाषा विभाग
एलाइंस एअर

''ढाई अक्षर प्रेम के''

पोथी पढ़–पढ़ जग मुआ, पंडित भया न कोय।
ढाई अक्षर प्रेम के, पढ़े सो पंडित होय !!

ढाई (2½) अक्षर हैं क्या ?

- ढाई अक्षर के 'ब्रह्मा' और, ढाई अक्षर की 'सृष्टि'
- ढाई अक्षर के 'विष्णु' और ढाई अक्षर की 'लक्ष्मी'
- ढाई अक्षर की 'दुर्गा' और ढाई अक्षर की 'शक्ति'
- ढाई अक्षर की 'श्रद्धा' और ढाई अक्षर की 'भक्ति'
- ढाई अक्षर का 'त्याग' और ढाई अक्षर का 'ध्यान'
- ढाई अक्षर की 'इच्छा' और ढाई अक्षर की 'तुष्टि'
- ढाई अक्षर का 'धर्म' और ढाई अक्षर का 'कर्म'
- ढाई अक्षर का 'भाग्य' और ढाई अक्षर की 'व्यथा'
- ढाई अक्षर का 'ग्रन्थ' और ढाई अक्षर का' सन्त'
- ढाई अक्षर का 'शब्द' और ढाई अक्षर का 'अर्थ'
- ढाई अक्षर का 'सत्य' और ढाई अक्षर की 'मिथ्या'
- ढाई अक्षर की 'श्रुति' और ढाई अक्षर की 'ध्वनि'
- ढाई अक्षर की 'अग्नि' और ढाई अक्षर का 'कुण्ड'
- ढाई अक्षर का 'मन्त्र' और ढाई अक्षर का 'यन्त्र'
- ढाई अक्षर की 'श्वांस' और ढाई अक्षर के 'प्राण'
- ढाई अक्षर का 'प्यार' और ढाई अक्षर का 'युद्ध'
- ढाई अक्षर का 'मित्र' और ढाई अक्षर का 'शत्रु'
- ढाई अक्षर का 'प्रेम' और ढाई अक्षर की 'घृणा'
- ढाई अक्षर का 'जन्म' और ढाई अक्षर की 'मृत्यु'
- ढाई अक्षर की 'अस्थि' और ढाई अक्षर की 'अर्थी'

जन्म' से लेकर 'मृत्यु' तक हम, बंधे हैं ढाई अक्षर में.
है ढाई अक्षर ही 'वक्त' में और ढाई अक्षर ही 'अन्त' में
समझ न पाया कोई भी, रहस्य क्या है ढाई अक्षर में.

'महापुरुषों की गूढ़ रहस्यों से भरी भाषा को शत–शत ''नमन''

(कमला मेहरा)
उप प्रबंधक, राजभाषा

होली मिलन समारोह

होली रंगों का तथा हँसी–खुशी का त्योहार है। यह भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है राग–रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है।

इसी उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी एलाइंस एअर कार्यालय परिसर में होली मिलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलाइंस एअर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा सभी को होली की हार्दिक बधाई दी गई व रंगों के इस त्यौहार को प्रेम व शान्ति से मनाने का आग्रह किया गया। सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने रंगों के इस त्यौहार को बहुत ही उत्साह के साथ मनाया और इस पर्व का आनन्द लिया।

महिला दिवस का आयोजन

एलाइंस एअर, मुख्यालय में 13 मार्च, 2026 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन बहुत ही सुनियोजित तरीके से किया गया। महिला दिवस के अवसर पर एलाइंस एअर की महिला शक्ति द्वारा बारी–बारी से मंच का संचालन बहुत ही सुन्दर और दमदार तरीके से किया गया। जिसका सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने लुफ्त उठाया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप सम्माननीय **श्रीमती अंजू कुमार** की गरिमामय उपस्थिति रहीं। श्रीमती अंजू कुमार एक अनुभवी शिक्षाविद हैं। मुख्य अतिथि का स्मृति चिह्न के साथ स्वागत किया गया और वह कार्यक्रम के समापन तक समस्त महिला अधिकारियों/कर्मचारियों के बीच उपस्थित रही जो अपने आप में एक मिसाल थी।

महिला दिवस के अवसर पर एलाइंस भवन को बड़े ही सुसज्जित और आकर्षक ढ़ग से सजाया गया। सर्वप्रथम मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं मुख्य अतिथि और अन्य विभागाध्यक्षों/अधिकारियों द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित किया गया। तत्पश्चात गणेश स्तुति करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं सभी विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में एलाइंस एअर में कार्यरत सभी पुरूष कर्मचारियों और महिला कर्मचारियों ने सांस्कृतिक और रंगारंग कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता प्रस्तुत की। जिससे यह कार्यक्रम और भी भव्य और खुशनुमा बन गया।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी जी ने अपने उद्बोधन में सभी महिलाओं को महिला दिवस की बधाई दी व उनकी प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा एलाइंस एअर और उनके सुनहरे भविष्य के लिए मिलजुलकर कार्य करने को कहा।

महिला दिवस के अवसर पर महिला कर्मचारियों द्वारा कविताएं प्रस्तुत की गई। जिसकी सभी ने प्रशंसा की।

मुख्य अतिथि द्वारा सभी महिला कर्मचारियों को महिला दिवस और उनके द्वारा दी गई प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए उन्हें बहुत–बहुत बधाई दी गई। मुख्य अतिथि इस कार्यक्रम के समापन तक एलाइंस एअर के समस्त महिला अधिकारियों/कर्मचारियों के बीच उपस्थिति रही जो अपने आप में एक मिसाल थी।

एलाइंस एअर में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा की और साथ ही साथ कार्यक्रम का आनन्द उठाया। तत्पश्चात् सभी ने मिलकर एलाइंस भवन के प्रांगण में दोपहर के भोजन लुफ्थ उठाया।

मैं नारी हूं जनाब

मैं नारी हूँ जनाब, मैं नारी हूँ जनाब,
हिम्मत मेरी पहचान है, मुस्कान मेरी ताकत है,
संघर्षों के बीच भी, आगे बढ़ना मेरी आदत है।
हर रिश्ते को सहेजती हूँ, हर जिम्मेदारी निभाती हूँ
मैं नारी हूँ जनाब, हर फर्ज निभाती हूँ।

खुद थक कर भी सबके लिए मुस्कुराती हूँ,
अपने बच्चों को देखकर, अपनी सारी थकान भूल जाती हूँ।
जब घर से निकलती हूँ, तो मेरी छोटी–सी बिटिया रोती है,
दिल पर पत्थर रखकर भी, ऑफिस के लिए निकल जाती हूँ।
मैं नारी हूँ जनाब, हर फर्ज निभाती हूँ।

पढ़ाई भी मैंने बहुत की है, सपनों को भी सजाया है।
बिटिया हूँ मैं किसी की, उनके लिए भी कुछ कर दिखाना है।
बेटी होकर भी बेटे का फर्ज निभाती हूँ,
मैं नारी हूँ जनाब, हर फर्ज निभाती हूँ।

सुबह घर की रसोई सँवारती हूँ, दिनभर कर्मभूमि में पहचान बनाती हूँ।
शाम को फिर माँ बनकर, अपने बच्चों को गले लगाती हूँ।

कभी ममता बनकर बहती हूँ, कभी हिम्मत बनकर खड़ी हो जाती हूँ।
अपने सपनों को थोड़ा थामकर, सबके सपनों को पंख लगाती हूँ।

कभी समय से लड़ती हूँ, कभी हालात से समझौता कर जाती हूँ।
थकती हूँ, रुकती हूँ पल भर को, पर फिर हिम्मत जुटाकर आगे बढ़ जाती हूँ।

मैं ममता भी हूँ, मैं शक्ति भी हूँ,
हर रूप में खुद को ढाल जाती हूँ
मैं नारी हूँ जनाब, हर फर्ज निभाती हूँ।

(कविता तंवर)
कम्पनी सचिव, एआईएएचएल

कोमल है, कमजोर नहीं तू शक्ति का नाम ही नारी है,
जग को जीवन देने वाली, तू सबसे प्यारी है।

एलाइंस एअर पायलट–केबिन क्रू (महिला सशक्तिकरण)

8 मार्च को कर्तव्य पथ पर आयोजित शक्ति वॉक नारी शक्ति, साहस और नेतृत्व का एक भव्य एवं प्रेरणादायी प्रतीक बनकर उभरा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इस विशेष अवसर पर माननीय रेखा गुप्ता, मुख्य मंत्री, दिल्ली की गरिमामयी उपस्थिति ने पूरे आयोजन को ऊर्जा और गौरव से आलोकित कर दिया। एलाइंस एअर की ओर से को–पायलट रिया जिनकी तीव्र बुद्धिमत्ता, सजगता और पेशेवर उत्कृष्टता अत्यंत प्रशंसनीय है तथा अंकिता धारीवाल जिनका 20 वर्षों का समृद्ध अनुभव और प्रभावशाली व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरणास्रोत है की सहभागिता अत्यंत गौरवपूर्ण रही। दोनों को प्राप्त सम्मान पदक उनके अद्वितीय समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्टता का सशक्त प्रमाण है।

विशेष रूप से रिया और अंकिता ने मीडिया को दिए अपने प्रभावशाली इंटरव्यू के माध्यम से इस उपलब्धि को एक नई ऊँचाई प्रदान की। उनके ज्ञानपूर्ण विचार, सशक्त शब्द चयन और आत्मविश्वास से भरी अभिव्यक्ति ने न केवल एलाइंस एअर की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ किया, बल्कि उन विशिष्ट और चुनौतीपूर्ण सेक्टर्स पर भी प्रकाश डाला जहाँ हमारी सेवाएँ अग्रणी हैं और जहाँ तक पहुँचने का साहस अन्य एयरलाइनों में विरल है।

यह शक्ति वॉक केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि नारी सशक्तिकरण, आत्मविश्वास और अटूट संकल्प का जीवंत उत्सव था। एलाइंस की क्रू महिलाएं अपने अदम्य साहस, दृढ़ निश्चय और प्रभावशाली नेतृत्व से न केवल आसमान में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छूते हुए समाज के लिए प्रेरणा का उज्ज्वल स्तंभ बन रही हैं।

एलाइंस एअर की रिया और अंकिता पर हमें अत्यंत गर्व है। उनकी गहन ज्ञान, प्रभावशाली भाषा, सशक्त व्यक्तित्व और प्रेरणादायी प्रोफेशनल प्रेजेंस हम सभी के लिए एक उज्ज्वल उदाहरण है।

कर्तव्य पथ की धरा पे, गूंजा नारी का मान,
शक्ति वॉक में बढ़े कदम, लेकर साहस की पहचान।

एलाइंस एअर की शान बनीं रिया पायलट, बुद्धि की उड़ान,
अंकिता केबिन क्रू, अनुभव की दीपशिखा, व्यक्तित्व महान।

आसमान को छूती हिम्मत, शब्दों में आत्मविश्वास,
इंटरव्यू में चमकी वाणी, जैसे उज्ज्वल प्रकाश।

महिला दिवस की इस बेला में, दोनों ने रचा इतिहास,
मेहनत, ज्ञान और समर्पण से, बढ़ाया संगठन का विश्वास।

हम गर्वित हैं इन बेटियों पर, इनकी हर एक पहचान,
रिया–अंकिता जैसी शक्ति से ही, ऊँचा होता हिंदुस्तान।

जीवन में सफलता के लिए, संकल्प और समर्पण दोनों की आवश्यकता होती है।

कृपया अपनी प्रतिक्रिया से अवश्य अवगत कराएं। प्रस्तुतिकरण – विनोद चन्द्र सनवाल
कमला मेहरा
रचना पुण्डीर

राजभाषा विभाग, एलाइंस एअर, मुख्यालय

सम्पर्क – 011–25674178
ई मेल – rajbhasha@allianceair.in